भजन

तर्ज–दमा दम मस्त कलंदर

धाम का दूल्हा सखियों की बिगड़ी बनाता
माया से सखियों को खोज खोज के लाता
हमारा सतगुरू प्यारा,जग का उजियारा,
मेरी आंखों का तारा

1–सतगुरू जी का फुरमान यही है
उनसे ऊचां ज्ञान नही है
किये वायदे को तुम ना भुलाना
2–सतगुरू बन मेरे पिया जी आए
सखियों की टोली संग ले आए
वाणी को उनकी गाएगा सारा जमाना
3–सतगुरू जी की बाणी निराली
जान सकें सखियां मतवाली
जीवों को आके दे दिया अखंड ठिकाना